प्रारंभिक (कक्षा 8वीं) शिक्षा पूर्णता प्रमाण–पत्र परीक्षा 2019

विषय – संस्कृत

समय 02.30 घण्टे | पूर्णांकः 100

(आदर्श उत्तर)

उत्तर 1– (अ)प्रत्येक सही उत्तर लेखन पर 02 (दो) अंक दिया जावेंः– (10 अंक)

1. स्वर सन्धि
2. अव्ययीभाव समास
3. सप्तत्रिंशत्
4. क्तवतु
5. तमप्

(ब) उचित संबंध। प्रत्येक सही उत्तर पर 02 अंक नियत है (10 अंक)

i.दानं दया समता परोपकारः

ii.सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः

iii.अष्ट

iv.रघुवंशम्

v.पशुभिः समानाः

उत्तर 2– (अ) विलोम शब्द। प्रत्येक सही उत्तर पर 01 अंक दिया जावे। (02 अंक)

1. दानवः
2. दुर्जनः/दुष्टः
3. मरणम्

(ब) शब्दार्थ/प्रत्येक सही उत्तर लेखन पर 01 अंक (02 अंक)

1. श्रेष्ठ/प्रमुख
2. जिला
3. ईश्वर/भगवान्

उत्तर 3– (अ) प्रत्येक सही सन्धि विच्छेद पर 01 अंक (02 अंक)

1. सदा + एव
2. जगत् + ईशः
3. नमः + से

(ब) प्रत्येक सही सन्धि लेखन पर 01 अंक (02 अंक)

1. स्वोदरः
2. कश्चित्
3. संहारः

उत्तर 4– (अ) प्रत्येक सही समासिक पद लेखन पर 01 अंक (02 अंक)

1. त्रिभुवनम्
2. चौरभयम्
3. पितरौ

(ब) प्रत्येक सही समास विग्रह पर 01 अंक (02 अंक)

1. परेषाम् उपकारः
2. न आवश्यकम्
3. पीतम् अम्बरं यस्य सः

उत्तर 5– सही पत्र लेखन पर उचित अंक प्रदान करें। (04 अंक)

अथवा

आवेदन पूर्ण लिखकर 4 स्थानों पर उचित शब्द पूर्ति कर प्रत्येक सही रिक्त स्थान की पूर्ति पर 1 अंक प्रदान किया जायेगा।

(1) प्रणमामि (2) कुशलो¿स्मि (3) वार्षिकपरीक्षायां (4) मातृभ्यो

उत्तर 6– पाठ्यपुस्तक से शुद्ध चार सूक्तियाँ लेखन– प्रत्येक सही सूक्ति पर 1 अंक।

(4 अंक)

अथवा

हिन्दी वाक्यों के स्थान पर प्रत्येक शुद्ध सूक्ति लेखन पर 1 अंक प्रदान करें।

उत्तर 7– प्रत्येक सही रिक्त स्थान की पूर्ति 01 अंक (4 अंक)

यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवः सः तु जीवति।

कुरूते किं न काकोऽपि चञ्चवा स्वोदरपूरणम्।।

अथवा

प्रत्येक शुद्ध श्लोक लेखन पर 2 अंक प्रदान करें।

उत्तर 8– 1. जननी, जन्मभूमि, जाह्नवी, जनार्दन (ईश्वर) और जनक (पिता) ये 'ज' अक्षर से प्रारंभ होने वाले पाँचों दुर्लभ हैं। (6 अंक)

2. 1. सभी जीव सन्तुष्ट होते हैं।
2. श्लोक में अप्रिय शब्द का विलोम शब्द प्रिय है।
3. 'वचने' शब्द में सप्तमी विभक्ति है।

3. काम, क्रोध, लोभ, स्वाद, श्रृंगार, खेल, अतिनिद्रा और अति आनन्द ये आठों विद्याध्ययन के शत्रु है अतः विद्यार्थी को इन्हें छोड़ देना चाहिए।

उत्तर 9– (अ) संस्कृत में अनुवाद–प्रत्येक सही संस्कृत अनुवाद पर 01 अंक (3 अंक)

1. मह्यं संस्कृतं रोचते।

2. अहं छत्तीसगढे वसामि।
3. वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

(ब) हिन्दी में अनुवाद। प्रत्येक सही हिन्दी अनुवाद पर 01 अंक (3 अंक)

1. जल के बिना कोई भी जीवित नहीं रहता हैं।
2. आपका नाम क्या है?
3. हरि (विष्णु) बैकुण्ठ में रहता है।

उत्तर 10– वाक्य निर्माण – प्रत्येक सही उत्तर पर 02 अंक (6 अंक)

1. तेन सह अहम् आपणं गच्छामि।
2. एतस्य फलस्य नाम आम्रम् अस्ति।
3. मम नाम सीमा।
4. तुभ्यं फलं रोचते।

उत्तर 11– धातुरूप से वाक्य पूर्ण, प्रत्येक सही उत्तर पर 02 अंक (6 अंक)

1. लेखकः लेखं लिखति।
2. अहं देवं नमामि।
3. चौरः धनम् अचोरयत्।
4. त्वं धनं लप्स्यसे।

उत्तर 12– सही सारांश लेखन पर उचित अंक प्रदान किया जाये। (6 अंक)

उत्तर 13– (अ) प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर – (4 अंक)

1. परोपकारेषु दधीचेः नाम अग्रगण्यं मन्यते।
2. सरगुजामण्डलं छत्तीसगढे स्थितमस्ति।

अथवा

छत्तीसगढप्रदेशस्य उत्तरस्यां दिशि मुकुटमिव सरगुजामण्डलं स्थितमस्ति।

3. यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवः सः तु जीवति।
4. चतुर्णां मित्राणां सङ्कल्पाः सन्ति– ''वृक्षकर्तनं जलप्रदूषणञ्च अवरोधनीयम्।
5. विद्योत्तमा शारदानन्दस्य कन्या आसीत्।
6. चन्द्रमः पृथिवीतः लक्ष्यद्वयमील परिमिते दूरे वसति।

(ब) प्रश्नों का हिन्दी में उत्तर। प्रत्येक सही उत्तर पर 01 अंक (4 अंक)

1. सूरज रायपुर नगर में रहता है।
2. सौरमण्डल में आठ ग्रह है।
3. कालिदास की जन्मभूमि उज्जैन है।
4. विद्यार्थी, सेवक, राहगीर, भूखा व्यक्ति, डरा हुआ भण्डारी और द्वारपाल ये सातों सोते हों तो इन्हें जगा देना चाहिए।
5. दधीचि के शरीर के अस्थियों से वज्र का निर्माण हुआ।
6. रामगिरी पर्वत में शीतल जल कुंड है।

उत्तर 14– (अ) गद्यांशो का हिन्दी अनुवाद। प्रत्येक गद्यांश पर 04 अंक (4×2= 8 अंक)

1. रामगिरि वन देवी के सुन्दर इतिहास और संस्कृत भाषा के स्वर्णिमकाल को धारण किये हुए देखा गया हैं। यहाँ आषाढ़ महीने के प्रथम दिन में छत्तीसगढ़ संस्कृत आकादमी की गरिमामय सांस्कृतिक कार्यक्रम और विचारगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। आयोजन में संस्कृत भाषा के विद्वान, इतिहास को जानने वाले, पुरातत्व को जानने वाले, लोगों को उद्बोधन देते हैं।
2. गद्यांश के प्रश्नों का उत्तर–

(क) च + अस्ति

(ख) सप्तमी विभक्ति।

(ग) नक्षत्राणि।

(घ) सूर्यः अतीव विशालः।

3. एक बार रात्रि में ऊँट की ध्वनि सुनाई दी। आवाज को सुनकर उसकी पत्नी यह ध्वनि किसके द्वारा की गई यह पूछा। कालिदास के द्वारा उष्ट्र शब्द के स्थान में उट्र यह शब्द उच्चारित करने पर विद्योत्तमा जान गयी कि यह मूर्ख है। उसने कालिदास का अपमान करके घर से बाहर निकाल दिया। कालिदास ने दुःखी होकर देवी की आराधना (पूजा) की।

उत्तर 15– निबंध लेखन– (10 अंक)

प्रत्येक सही वाक्य लेखन पर 1 अंक प्रदान किया जावें।

अथवा

प्रत्येक सही वाक्य लेखन पर 2 अंक प्रदान किया जावे।

———00———